BRILLION Publishing

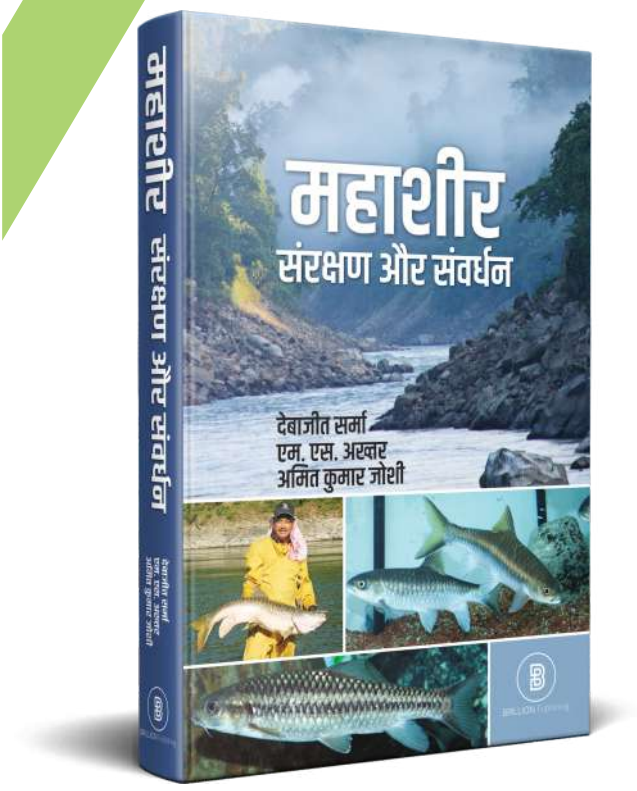

महाशीर
संरक्षण और संवर्धन

देबाजीत सर्मा | एम. एस. अख्तर | अमित कुमार जोशी

महाशीर हमारे भारतीय पर्वतीय क्षेत्र की नदियो और धाराओं के लिए एक प्रतिश्ठित शीतजल मत्स्य प्रजाति एवं गौरव रही है। इसे भारत के साथ–साथ अन्य एशियाई देशों में एक महत्वपूर्ण आखेट योग्य मछली के रूप में जाना जाता है। भारत में महाशीर मत्स्य संसाधन के महत्व को ध्यान में रखते हुए इन बहुमूल्य मत्स्य प्रजातियों के प्रसार की आवश्यकता है। इस पुस्तिका **''महाशीरः संरक्षण और संवर्धन''** के द्वारा महाशीर मत्स्य पालन से सम्बन्धित जानकारियों को पाठकगणों/मत्स्य कृशकों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। इस पुस्तिका के अध्ययन से पाठकगणों/मत्स्य कृशकों को भारत में महाशीर के संसाधनों, उसके प्रजनन स्थलों, महाशीर के प्रसार एवं उसका संरक्षण तथा महाशीर के लिए सरकार की नीतियां आदि से सम्बन्धित विशद् जानकारियां प्राप्त हो सकेंगी। जिसके फलस्वरूप पर्वतीय क्षेत्र की जनता इस आखेट योग्य महाशीर के पालन द्वारा अपनी आजीविका में वृद्धि करने में सक्षम हो सकेगी।

हमें यकीन है कि यह पुस्तक महाशीर मत्स्य संसाधनों के प्रबंधन और उनके स्थायी उपयोग के लिए ज्ञान के आधार का स्त्रोत बनेगी। इसके अलावा, हमें पूरा विश्वास है कि यह एक ओर वैज्ञानिकों, शिक्षको व छात्रों और दूसरी ओर विकास अधिकारियों और नीति निर्माताओं के लिए एक मूल्यवान संदर्भ पुस्तक होगी।

ISBN: 978-93-89350-16-6
Pages: 103
2019

Printed Copy

Hardbound ▶ ₹ 1295/-

देबाजीत सर्मा
एम. एस. अख्तर
अमित कुमार जोशी

विषय सूची (Contents)

प्रस्तावना
प्राक्कथन
1. परिचय
2. महाशीर वर्गीकरण
3. भारत में महाशीर संसाधन
4. महाशीर का प्रजनन एवं तालाब प्रबन्धन
5. महाशीर एवं पारिस्थितिकी पर्यटन
6. भारत में महाशीर संरक्षण के प्रयास
7. महाशीर मत्स्य विकास हेतु मुद्दे एवं नीति की आवश्यकताएँ
8. अतिरिक्त सूचना

सन्दर्भ (References)
लेखकों के बारे में

ISBN: 978-93-89350-16-6
7 789389 350166

For e-version of the book or sample chapter for personal perusal contact:
info@brillionpublishing.com
www.brillionpublishing.com